कोरोना वायरसः इटली में 2 दिन सुधार, अब फिर चढ़ा मौत का आंकड़ा, एक दिन में गई 743 की जान : रोम। चीन के बाद कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित इटली में लगातार दो दिन तक नए मामलों और इस खतरनाक वायरस के हाथों हो रही मौतों की संख्या में कमी आई थी। हालांकि, इससे पहले की देश राहत की सांस ले पाता मंगलवार को एक बार फिर इसने तेजी पकड़ ली। ताजा आंकड़ों के मुताबिक इटली में मंगलवार को 743 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले शनिवार को इटली में 793, रविवार को 651 और सोमवार को 601 लोगों की मौत हुई है। शनिवार को जहां 6,557 नए संक्रमित केस आए थे, वहीं सोमवार को यह घटकर 4,789 हो गए।

ताजा खबर संक्षिप्त

कोरोना: ट्रंप बोले यह दवा वरदान बनेगी

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि कोरोना वायरस से लड़ने में भगवान का वरदान साबित हो सकती है एंटीमलेरिया मेडिसीन। एंटीमलेरिया दवाओं के जरिए कोरोना वायरस के इलाज की अभी जांच ही चल रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बिना जांच के इस दवा पर भरोसा करना खतरनाक हो सकता है। लेकिन ट्रंप की राय में एंटी मलेरिया दवा कोरोना वायरस के इलाज में भगवान का वरदान साबित हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनका प्रशासन कोराना वायरस के इलाज में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और क्लोरोक्वीन के जादुई असर की जांच कर रहा है। फ्रांस और चीन में हुई शुरुआती स्टडी में कहा गया है कि कोरोना वायरस के इलाज में ये दवा कारगर रही है। हालांकि खुद ट्रंप प्रशासन के डॉक्टर राष्ट्रपति की बात से इत्तेफाक नहीं रखते हैं। अमेरिका के सबसे मशहूर संक्रमण रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एंथनी फौसी ने कहा कि बिना बहुत ज्यादा क्लीनिकल ट्रायल के कोरोना वायरस के इलाज में इस दवा के इस्तेमाल में सावधानी बरतनी चाहिए।

कहर के बीच जोधपुर आया 277 भारतीयों का जत्था

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना के कहर के बीच ईरान से भारतीय लोगों का नया जत्था वापस लौटा है। इस दल में 277 लोग शामिल है। भारत सरकार की पहल पर इन्हें विशेष विमान से जोधपुर लाया गया गया है। अगले 14 दिनों तक ये लोग आइसोलेशन में रखे जाएंगे। वतन वापसी करने वाले सभी भारतीयों ने विदेश मंत्री एस। जयशंकर को आभार जताया।इससे पहले 15 मार्च को ईरान से 234 भारतीयों का जत्था आया था। विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने कहा था कि ईरान में फंसे 234 भारतीय वापस भारत आ गए हैं। ईरान में भारतीय राजदूत और ईरान में भारतीय उच्चायोग के प्रयासों के लिए धन्यवाद। ईरानी अधिकारियों का भी धन्यवाद। इससे पहले 53 भारतीयों का एक समूह ईरान से भारत लौटा था। ईरान में फंसे भारतीय छात्र-छात्राओं समेत विभिन्न लोग सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर भारत सरकार से उन्हें वापस लाने की गुहार लगा चुके हैं।

कोरोना: 10 हजार गाड़ियों से यूपी में पहुंचेगा राशन-दूध

लखनऊ (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में 21 दिन के सबसे बड़े लॉकडाउन की घोषणा की है। मंगलवार मध्यरात्रि से शुरू हो रहा यह लॉकडाउन 14 अप्रैल तक रहेगा। हालांकि इतने लंबे लॉकडाउन के दौरान राज्य में किसी को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्याप्त इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, मैं उत्तर प्रदेश के 23 करोड़ लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे पास सब्जियों, दूध, दवाइयों का पूरा स्टॉक है। अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आप लोग घर से बाहर न निकलें और सामाजिक दूरी बनाए रखें। दरअसल पीएम मोदी ने मंगलवार रात 8 बजे जैसे ही लॉकडाउन की घोषणा की, राजधानी लखनऊ समेत कई शहरों से लोगों में अफरा-तफरी की खबरें आने लगीं। उत्तर प्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में लोग 21 दिन के लॉकडाउन से निपटने के लिए जरूरी सामान घर में जमा कर लेना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा, कल यानी 25 मार्च से सब्जियों, दूध, फल, दवाओं और अन्य जरूरी सामानों की डिलिवरी आपके घर पर की जाएगी।

खबर जरा हटके

तकनीक से चीता को बचाने में वैज्ञानिकों को मिली कामयाबी

नई दिल्ली (ए.)। अभी तक महिलाएं ही इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया (आइवीएफ) से संतान सुख पाती थीं। लेकिन पहली बार संकटग्रसत चीता की आबादी को बढ़ाने के लिए भी वैज्ञानिक इस तकनीक का लंबे समय से मादा चीता पर पर प्रयोंग कर रहे थे। हाल ही वे इस प्रयोग में सफल भी हों गए हैं। अमरीका के कोलंबस चिड़ियाघर में दुनिया के पहले आइवीएफ चीता शावकों ने आंखें खोलीं तो वैज्ञानिकों को इस बात की उम्मीद भी मिली कि वे इससे लुप्त होने की कगार पर खड़ी बिल्ली परिवार की इस अद्भुत प्रजाति को बचा सकेंगे। इन शावकों को नेशनल जू के वैज्ञानिकों की मदद से एक तीन साल की सरोगेट मादा चीता इजी से पैदा किया गया है, जबकि शावकों की जैविक मां किबीबी की उम्र छह साल है। कोलंबिया जिले में नेशनल जू के विशेषज्ञों ने बताया कि चीता हिमयुग के अंतिम दशकों से ही लुप्त होने की कगार पर पहुंच गए हैं। प्राकृतिक रूप से इनकी आबादी बढ़ाने के वैज्ञानिकों के सारे प्रयास भी इतने सालों में विफल सारबित हुए। बीते 20 सालों से जू के वैज्ञानिक आईवीएफ तकनीक और मादा चीता के भ्रूण स्थानांतरण (एम्ब्रायो ट्रांसफर) के माध्यम से चीता की आबादी को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

बाक्स न्यूज

कैलाश से कम नहीं है औरंगाबाद का शिव धाम

नई दिल्ली (ए.)। देश में कई अद्भुत और चमत्कारिक मंदिर है। सबकी अलग-अलग मान्यताएं हैं। इन्हीं में से एक है औरंगाबाद स्थित शिव मंदिर । चूंकि ये एलोरा की गुफाओं में है इसलिए इसे एलोरा के कैलाश मंदिर के नाम से जाना जाता है। बताया जाता है कि इस मंदिर का महत्व कैलाश पर्वत से कम नहीं है। तभी इसका आकार काफी कुछ वैसा ही रखा गया है। 276 फीट लंबे और, 154 फीट चौड़े इस मंदिर की खासियत ये है कि इसे केवल एक ही चट्टान को काटकर बनाया गया है। यह मंदिर दो या तीन मंजिला इमारत के बराबर है। बताया जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में जिस चट्टान का इस्तेमाल किया गया था उसका वजन करीब 40 हजार टन था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। मान्यता है कि यहां दर्शन करने वाले भक्त को वैसा ही फल मिलता है, जैसे कैलाश पर्वत के दर्शन पर जाने पर। इसलिए जो लोग कैलाश नहीं जा पाते हैं, वे यहां दर्शन के लिए आते हैं। इस अद्भुत शिव धाम को बनने में लगभग 100 साल से ज्यादा का वक्त लगा। इसके निर्माण कार्य की शुरुआत मालखेड स्थित राष्ट्रकूट वंश के नरेश कृष्ण (प्रथम) (757-783 ई.) ने शुरु करवाया था। इसे बनाने में करीब 7000 मजदूरों ने दिन-रात काम किया था।

पूरी दुनिया में कोरोना का आतंक; इटली में हाहाकार

घरों में सड़ रही हैं लाशें...

नई दिल्ली (नेटडेस्क/एजेंसी)। स्पेन में घरों में सड़ रही थी लाशें, केयर होम्?स में बुजुर्गों को मरने को छोड़ादुनिया के बेहद खूबसूरत देशों में शामिल स्पेन कोरोना वायरस के कहर से जूझ रहा है। कोरोना की चपेट में आकर अब तक स्पेन में दो हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 35 हजार लोग इससे संक्रमित हैं। सोमवार को ही इस बीमारी से करीब 462 लोगों की मौत हो गई। आलम यह है कि कई घरों में लाशें पड़ी हुई हैं और उन्हें हटाने के लिए अब सेना की मदद लेनी पड़ी है। कई गंभीर रूप से बीमार बुजुर्गों को लावारिस छोड़ दिया गया है।

चीन, इटली के बाद स्पेन तीसरे स्थान पर : कोरोना वायरस के संक्रमण से स्पेन में हालात बेहद खराब हो गए हैं। मौतों के मामले में चीन और इटली के बाद स्पेन कोरोना का नया गढ़ बन गया है। 14 मार्च से पूरे स्पेन में लॉकडाउन है लेकिन मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। सरकार ने जैसे-जैसे कोरोना की जांच तेज की है, इससे संक्रमण के मामले लगातार तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इस बीच सेना को इस बात की जिम्मेदारी दी गई है कि वह केयर होम्स को वायरस मुक्त करे ताकि बीमारी के प्रसार को रोका जा सके।

चीन के बाद कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित इटली में लगातार दो दिन तक नए मामलों और इस खतरनाक वायरस के हाथों हो रही मौतों की संख्या में कमी आई थी। हालांकि, इससे पहले की देश राहत की सांस ले पाता मंगलवार को एक बार फिर इसने तेजी पकड़ ली। ताजा आंकड़ों के मुताबिक इटली में मंगलवार को 743 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले शनिवार को इटली में 793, रविवार को 651 और सोमवार को 601 लोगों की मौत हुई है। शनिवार को जहां 6,557 नए संक्रमित केस आए थे, वहीं सोमवार को यह घटकर 4,789 हो गए। इन आंकड़ों से मेडिकल ऑफिसर खुश होने लगे थे और कहा जाने लगा कि इटली ने अपनी अर्थव्यवस्था और आजादी को दांव पर लगाया जिसका सकारात्मक असर देखने को मिला। हालांकि, एक दिन बाद ही यह खुशी फीकी पड़ गई है। इटली में करीब 5 हफ्ते पहले शुरू हुआ मौत का तांडव अब तेजी से जानें लील रहा है। यहां हर दिन मौतों का रेकॉर्ड बन रहा है। शनिवार को इटली में 793 लोगों की जान चली गई थी और रविवार को यह आंकड़ा 637 रहा। अब तक देश में कुल 5476 लोगों की मौत हो चुकी है। इटली में अब तक कोरोना से कुल 53,578 पॉजिटिव केस आ चुके हैं। देश की आबादी ज्यादातर बुजुर्ग होने के कारण इन लोगों को बचा पाना एक बड़ी चुनौती बन चुका है। आलम यह है कि शहर की दीवारों से लेकर अखबार के पन्ने तक हर दिन हो रहीं मौतों के शोक-संदेशों से पटे पड़े हैं। इटैलियन मेल नर्स और फटॉग्रफर पाओलो मिरांडा ने मिलान के लॉम्बार्डी में अपनी शिफ्ट के दौरान कुछ तस्वीरें लीं जिससे साफ पता चलता है कि इस त्रासदी के बीच में किस तरह से मेडिकल स्टाफ सुपरहीरो की तरह काम कर रहा है। ये लोग इन्फेक्शन के बीच अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और जिंदगियां बचाने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। कोरोना के केस बढ़ते ही जा रहे हैं और ऐसे में डॉक्टरों को बिना रुके अपना काम करना पड़ रहा है। कई बार वे हताश भी दिखते हैं और ऐसे में एक-दूसरे का ही सहारा भी बनते हैं। शिफ्ट्स के बीच में अपने लिए दो पल का चैन जुटाने की कोशिश करते हैं। हफ्तों से जो आराम नहीं मिला है, वह फिलहाल मिलता न देख एक-दूसरे से ताकत हासिल करते हैं। चाहे संसाधन कम पड़ रहे हों, वक्त या हिम्मत भी खत्म हो रही हो, डॉक्टर फिर उठ खड़े होते हैं। नए सिरे से लड़ाई लड़ने के लिए। मुश्किल की इस घड़ी में पूरी दुनिया एकसाथ खड़ी है। कुछ ऐसा ही क्यूबा ने करके दिखाया है। क्यूबा के डॉक्टर्स इटली के लॉम्बार्डी के लिए निकले हैं। लॉम्बार्डी इटली में सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है और कोरोना का गढ़ बन चुका है। ऐसे हालात में वहां जाने वाले इन डॉक्टर्स को दुनिया सलाम कर रही है। रोम के ऑस्टिया में मेडिकल स्टाफ अस्पतालों में तो जुटा ही है, सड़कों पर ऐसे लोगों के लिए निकला है जो बेघर हैं। देश में लॉकडाउन की स्थिति है और ऐसे में बेघर लोगों की मदद को हाथ आगे बढ़ रहे हैं। इटली ने कोरोना वायरस से जंग के खिलाफ अपने सेना भी उतार दी है।

स्पेन बुजुर्गों को मरने के लिए छोडा जा रहा...

स?पेन की सेना को इस बात का भी जिम्?मा दिया गया है कि वह घरों में लावारिश पड़ी लाशों का पता लगाए। बताया जा रहा है कि कुछ घरों में कई दिनों से लाशें पड़ी हुई हैं लेकिन कोरोना के संक्रमण के डर से उसी घर में रह रहे परिवार के सदस्य उन्हें उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। अब इन घरों में जाकर स्पेन के सैनिक शवों को उठा रहे हैं। अब इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं उनके साथ कोई अपराध या उनकी हत्या तो नहीं हुई। स्पेन की सेना उन केयर होम्स की जांच कर रही है जहां पर बुजुर्ग थे। सरकारी अभियोजकों ने ऐलान किया है कि वे मैड्रिड केयर होम्?स की जांच कर रहे हैं जहां पर 17 लोगों की मौत हो गई थी। स?थानीय स?वास?थ?य अधिकारी ने बताया कि अल्कॉय में 21 लोग मारे गए हैं। यह अभी तक नहीं बताया गया है कि किन जगहों पर शवों को लावारिस छोड़ा गया। स्पेन की रक्षामंत्री ने बताया कि सेना की जांच के दौरान कई ऐसे बीमार बुजुर्ग ऐसे पाए गए जो जिंदा थे लेकिन उन्हें उनके बिस्तर पर ही लावारिस छोड़ दिया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि पेंशनर्स का इन केयर होम्?स में सही से इलाज नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के लिए बनाए गए केयर होम्?स ने उनकी ठीक से देखरेख नहीं की। इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख?त कार्रवाई होगी। इससे पहले कासा डी कंपो में सबसे पहले केयर होम्स के अंदर कोरोना वायरस से सामूहिक मौत की खबरें आई थीं।

चीन के हुबई में 'रिहा' होंगे 5 करोड़ लोग...

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का केंद्र रहे चीन के हुबई प्रांत और उसकी राजधानी वुहान से अच्छी खबर आई है। चीन ने इस प्रांत में खतरनाक वायरस को फैलने से रोकने में काफी हद तक सफलता पा ली है। इसके मद्देनजर सरकार ने 25 मार्च से हुबेई में कुछ ढील देने का फैसला किया है। इस प्रांत में 5.6 करोड़ से ज्यादा लोग बीत तीन महीने से अपने घरों में 'कैद' हैं। हालांकि, राजधानी वुहान में लॉक डाउन पहले की तरह जारी रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि 8 अप्रैल से वुहान में प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी। हालांकि, विशेषज्ञों ने ढील दिए जाने को लेकर सरकार को आगाह किया है। हुबेई का वुहान शहर कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित है और यहां सबसे अधिक मौतें हुई हैं। शहर की आबादी 1.1 करोड़ है, जहां पिछले साल दिसंबर में कोरोना का पहला पॉजिटिव मामला सामने आया था। इसके बाद 23 जनवरी को पूरे हुबेई प्रांत को लॉक डाउन कर दिया गया था। वुहान में पिछले पांच दिनों के बाद सोमवार को कोरोना का नया केस सामने आया। सरकार बुधवार से यात्रा प्रतिबंधों में ढील देगी। इसके तहत बुधवार से शुरू हो रहे ग्रीन हेल्थ कोड के जरिए हुबेई प्रांत के अन्य हिस्सों में रह रहे लोग यात्रा कर सकेंगे। हुबेई स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि वुहान में रह रहे लोग 8 अप्रैल से शहर के बाहर यात्रा कर सकेंगे। नए कोरोना मरीजों की संख्या में आई कमी को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

अमेरिका में 6000 मौतें,...बर्बाद हो जाएगा देश : ट्रंप

महामारी घोषित कोरोना वायरस से दुनिया का सबसे मजबूत देश माने जाने वाले अमेरिका की भी हालत खराब होती दिख रही है। यहां मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 600 तक पहुंच गई है, जबकि लगभग 50 हजार संक्रमित केस सामने आ चुके हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रम्प ने कोरोना वायरस की वजह से देश में लागू बंदी में ढील देने के फैसले का मंगलवार को बचाव किया। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि बंदी के कदम से देश बर्बाद हो सकता है। फॉक्स न्यूज पर ट्रम्प ने कहा, 'बहुत से लोग मुझसे सहमत होंगे। हमारा देश... बंदी के लिए नहीं बना है। आप बंद कर देश को बर्बाद कर सकते हैं।' राष्ट्रपति ने कहा कि संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सामाजिक मेल-मिलाप से दूरी और पृथक रहने के उपाय को खत्म किया जाए या नहीं इसकी समीक्षा के लिए वह अगले हफ्ते स्थिति का आकलन करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम बोइंग को नहीं खो सकते, हम इन कंपनियों को नहीं खो सकते। अगर हम इन कंपनियों को खोते हैं तो इसका मतलब है कि हम हजारों, लाखों नौकरियों को दाव पर लगा रहे हैं।'

दुनिया का पहला गांव; जिसने बंद कर दिया पूरा आईलैंड

नई दिल्ली (ए.)। कहते हैं भगवान उसी की मदद करता है, जो खुद की मदद करता है। पूरे देश में कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी फैल चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी को 21 दिन तक खुद को घरों में बंद रहने के लिए कहा है। लेकिन उससे पहले ही देश में एक ऐसा गांव हैं जिसने खुद ही पूरी द्वीप बंद कर दिया है। अब न तो कोई यहां से आ सकता है। न ही जा सकता है। यह पूरी द्वीप सेल्फ आइसोलेशन में चला गया है। ताकि इस द्वीप पर एक भी शख्स कोरोना की चपेट में न आए। शायद ऐसा करने वाला यह दुनिया का पहला गांव है। मुंबई के पास वसई इलाके के नजदीक स्थित एक द्वीप पर मौजूद है पंजू गांव। इसने अपने पूरे द्वीप को बंद कर दिया है। ये बोरीवली लोकल स्टेशन से करीब 15 किलोमीटर दूर है।पंजू गांव के सरपंच आशीष भोईर ने बताया कि जनता कर्फ्यू के बाद हमने तय किया कि हम 1500 गांववाले 31 मार्च तक सेल्फ आइसोलेशन में रहेंगे। अब यह आगे भी बढ़ सकता है। पंजू द्वीप को नायगांव से जोड़नी वाली 30 फेरी सेवाओं को भी रोक दिया गया है। इमरजेंसी में ही लोग घरों से बाहर निकलेंगे। 600 एकड़ की इस द्वीप पर लोग अपने घरों में ही रहेंगे। इस गांव की कई महिलाएं और पुरुष मुंबई-ठाणे में काम करते हैं, लेकिन वो भी इस वक्त अपने घर पर ही हैं। पर्यटकों और बाहर से आकर पंजू द्वीप में काम करने वालों पर भी आने से प्रतिबंध लगा दिया गया है।मछली पकड़ने वाले जिन 100 नाव का इस्तेमाल करते हैं, उनको भी किनारों पर बांध दिया गया है। इस द्वीप में कोई भी व्यक्ति कोरोनावायरस के संपर्क में नहीं आया है। इसलिए इस गांव के लोग कोई रिस्क नहीं चाहते।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
MAHANADI GODAWARI BASIN
RAIPUR (C.G.)
e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)
CORRIGENDUM No. 01
In System Tender No. : 61832 /NIT No. : 04/SAC/2019-20,Dhamtari, Dated : 07.03.2020
Whose Advertisement No. 77762 / Dated 07.03.2020
In above Tender the ammendment and details can be viewed on the website https://eproc.cgstate.gov.in. All other terms and conditions will remain be unchanged.
G. No. - 77762
EXECUTIVE ENGENEER
Water Resources Division, Dhamtari
for, Chief Engineer, Mahanadi Godawari Basin
Water Resources Department, Raipur
(C.G.)
G-78155/4

शोध-रिपोर्ट

दोबारा नहीं होगा कोरोना का संक्रमण

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना बीमारी के खिलाफ मानव शरीर का प्रतिरोधक तंत्र कैसे काम करता है, इस पर से अभी भी वैज्ञानिक पर्दा नहीं उठा पाए हैं। एक शुरुआती अध्ययन में दावा किया गया है कि कोविड-19 का संक्रमण दोबारा नहीं हो सकता। चीन के शोध संस्थान इमर्जिंग एंड री-इमर्जिंग इंफेक्सियस डिजिज सहित छह संस्थानों के संयुक्त शोध में यह दावा किया गया है। एक पत्रिका में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि दो बंदरों पर किए गए परीक्षण से पता चला है कि कोविड-19 का संक्रमण दोबारा नहीं होता है। इससे पूर्व जर्नल आफ मेडिकल वायरोलॉजी में प्रकाशित एक वैज्ञानिक लेख में कहा गया कि आमतौर पर वायरस का संक्रमण दोबारा होने की संभावना क्षीण रहती है। इसे इस प्रकार समझ सकते हैं कि हमारा शरीर सभी मौजूदा वायरस का प्रतिरोध करने में सक्षम है लेकिन जैसे ही कोई नया वायरस या उसका स्ट्रेन आता है तो प्रतिरोधक तंत्र उसका मुकाबला नहीं कर पाता। लेकिन दोबारा यह वायरस फिर हमला करता है तो फिर प्रतिरोधक तंत्र उसे बेअसर कर देता है। लेकिन यह बात उन्हीं पर लागू होती है जिनका प्रतिरोधक तंत्र मजबूत है। कोरोना के मामले में भी यही कहा जा रहा है। दोबारा संक्रमण का मामला इसलिए चर्चा में आया क्योंकि चीन, जापान व दक्षिण कोरिया में कोविड-19 के कई मामले आए जिनमें रोगी स्वस्थ होकर घर जा चुके थे लेकिन कुछ दिनों बाद दोबारा जांच में पॉजिटिव निकले। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह दोबारा संक्रमण नहीं है। यह साबित करता है कि संक्रमितों के ठीक होने के दो-तीन सप्ताह बाद भी शरीर में वायरस सक्रिय रह सकता है। हालांकि ऐसा रोगी दूसरे को बीमारी फैला सकता है या नहीं, अभी कोई नतीजा वैज्ञानिक नहीं निकाल पाए हैं।

बड़े अध्ययन की जरूरत : बंदरों में दोबारा संक्रमण नहीं होने को वैज्ञानिक वर्ग स्वाभाविक मान रहा है लेकिन सिर्फ दो विषय पर कम अवधि के अध्ययन से वैज्ञानिक आश्वस्त नहीं हैं। वे कहते हैं कि कोरोना नया वायरस है और इसके प्रभाव को समझने के लिए दीर्घकालिक और बड़े अध्ययन की जरूरत है। वर्धमान महावीर मेडिकल कालेज के प्रोफेसर जुगल किशोर के अनुसार, सार्स जो कोरोना का ही एक संक्रमण है।

GST- ITR- TDS
इनकम टैक्स फाईल मात्र 500/-
GST नम्बर / रिटर्न फाईल- TDS रिफंड-
डिजिटल सिगनेचर और म्युचुअल फंड हेतु संपर्क करें
हमारे Tax Expert आपकी मदद करने हेतु तैयार है।
संपर्क करें- शेखर गुप्ता 93007-55544 94251-65464
WWW.ONLYTDS.COM

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
WATER RESOURCES & GROUND WATER SURVEY CIRCLE
SIHAVA BHAWAN CAMPUS, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.)
e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)
CORRIGENDUM No. 01
In System Tender No. : 61517/NIT No. : 18/SAC/2019-20, Gariaband, Dated : 28.02.2020
Whose *Advertisement No. 77499 / Dated 29.02.2020* following amendments are made :-

S. No.	PARTICULARS	EARLIER	AMENDMENT
1	Bid Download, Last Date & Time :	23.03.2020, 17:30 Hours	07.04.2020, 17:30 Hours
2	Bid Open Start Date & Time :	24.03.2020, 11:31 Hours	08.04.2020, 11:31 Hours
3	Clause 2.12 and 4.3.25 of (ENVELOPE - "C")		

Has been amended and details can be viewed on the website https://eproc.cgstate.gov.in
Note :- All other terms and conditions will remain be unchanged.
EXECUTIVE ENGINEER
Water Resources Division, Gariaband
for, Superintending Engineer, Water Resources & Ground Water Survey Circle, Raipur (C.G.)
G-78171/4